

मुम्बई के सफ़र की यादगार रात-1

“सन्दीप शर्मा दोस्तो, मेरी पिछली कहानियों के बाद आप सभी के प्यार का बहुत-बहुत शुक्रिया ! आपके काफ़ी ईमेल मिले तथा तीन सौ से अधिक फेसबुक फ्रेंड रिक्वेस्ट मिली, मेरा दिल खुश हो गया । मैंने लगभग हर मैसेज और मेल का जवाब देने की कोशिश की है पर अगली कहानी शुरू करने के पहले मैं [...] ...”

Story By: (sandeep13)

Posted: Sunday, October 18th, 2009

Categories: [कोई मिल गया](#)

Online version: [मुम्बई के सफ़र की यादगार रात-1](#)

मुम्बई के सफ़र की यादगार रात-1

सन्दीप शर्मा

दोस्तो,

मेरी पिछली कहानियों के बाद आप सभी के प्यार का बहुत-बहुत शुक्रिया !

आपके काफ़ी ईमेल मिले तथा तीन सौ से अधिक फेसबुक फ्रेंड रिक्वेस्ट मिली, मेरा दिल खुश हो गया। मैंने लगभग हर मैसेज और मेल का जवाब देने की कोशिश की है पर अगली कहानी शुरू करने के पहले मैं कुछ बात आपसे करना चाहूँगा जो आप सभी के कुछ सवाल हैं और उनका जवाब है।

पहली बात यह है कि मेरी कहानी पूरी सच्ची कहानी है, उसमें कोई लाग लपेट या झूठ नहीं है कहीं भी, जो हुआ था मैंने वही लिखा था तो कृपया यह सवाल फिर से ना करें कि घटना सच्ची है या झूठी। मेरी 48 कहानियाँ हैं जो सभी पूरी सच्ची हैं और मैं उन्हें लिखूँगा।

मेरी दूसरी बात ! अगर आप मुझे फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजें तो आपके नाम से भेजे किसी दूसरे के या छद्म नाम से भेजे वो आपकी सोच है पर मेरी महिला मित्रों के नम्बर मांगने के लिए लिंग परिवर्तित कर के किसी लड़की के नाम से मेरे पास रिक्वेस्ट ना भेजिए, मैंने एक भी लड़के की फ्रेंड रिक्वेस्ट रिजेक्ट नहीं की है पर चार छद्म लड़कियों को जरूर ब्लॉक किया है।

अब मैं कहानी पर आता हूँ।

आज से करीब छः साल पहले की बात है, मुझे इंदौर से दफ्तर के कुछ काम के सिलसिले में मुंबई जाना था। कार्यक्रम अचानक तय हुआ था, इसलिए ट्रेन का टिकट तो मिल नहीं सकता था तो बस से जाने का तय हुआ। उस वक्त एसी वाली बसें चलन में थी अतः मेरे लिए एसी स्लीपर बस का टिकट आया और मैंने अपना बैग पैक करके शाम को साढ़े छः पर हंस ट्रेवल से बस पकड़ ली।

मैं बस में आने के पहले यही सोच रहा था कि काश कोई अच्छी भाभी, आंटी या लड़की मिल जाये तो सफर आसान हो जायेगा। मुझे दरवाजे से दूसरे नम्बर की अकेली सीट मिली थी। मैंने देखा मेरी सीट के सामने वाली सीट पर तो कोई अभी तक आया ही नहीं था पर बगल वाली सीट पर एक माँ-बेटी जरूर बैठी हुई थी, बेटी काफी सुंदर थी पर माँ उतनी ही खडूस दिख रही थी तो मुझे लगा कि अपना काम नहीं होगा।

मेरे पास उस वक्त कंपनी का नया लैपटॉप था और साथ ही डाटा कार्ड भी जो उस वक्त बहुत धीमा इन्टरनेट देता था लेकिन कनेक्शन दे देता था। मैंने लैपटॉप चालू किया और मैंने याहू पर चैटिंग शुरू कर दी। थोड़ी देर पड़ोस वाली लड़की देखती रही फिर पूछने लगी- क्या आप नेट चला रहे हो ?

मैंने सर हिला कर हाँ में जवाब दिया तो बोली- क्या आप मेरा मेडिकल एंट्रेंस का रिजल्ट देख कर बता दोगे ? शाम को आना था पर हमें मुंबई जाना पड़ रहा है।

मैंने कहा- ठीक है, कोई दिक्कत नहीं !

मैंने उसका रिजल्ट देखा लेकिन रिजल्ट तब तक आया नहीं था। फिर हम दोनों की थोड़ी बातें शुरू हो गई, मैं भी मेडिकल की परीक्षा दे चुका था तो मैं उसी बारे में बात करने लगा।

इतने में हम लोग बस के अगले स्टॉप पर आ गये और यहाँ पर एक बूढ़े दादा-दादी जी

आंटी के सामने वाली सीट पर बैठ गये और मेरे सामने वाली सीट पर एक लड़की बैठ गई।

देखने में वो लड़की कोई बहुत सुंदर नहीं थी पर आकर्षक बहुत थी, सामान्य सा चेहरा, थोड़ी सी मोटी, हलकी चपटी नेपाली नाक, गेंहुवा रंग, हलके घुंघराले बाल पर उसकी आँखें बहुत सुंदर थी और बहुत आकर्षक भी। उसने जींस और टी शर्ट पहन रखी थी जिसमें वो काफी आकर्षक लग रही थी। वो आकर मेरे सामने वाली सीट पर बैठ गई और मेरी बाँछें खिल उठी, मैंने सोचा चलो रास्ते भर का काम हो गया।

वो आई तो मैंने लैपटॉप बंद कर दिया और उससे बातें करने लगा, बातों बातों में पता चला कि वो दिल्ली की रहने वाली है, उसका नाम साक्षी मालिक है और मुंबई में धारावाहिकों में एक्स्ट्रा के तौर पर काम करती है, यहाँ किसी काम से आई थी और अब वापस जा रही है।

हम लोग ऐसे ही बातें करते जा रहे थे और कब सनावद आ गया पता ही नहीं चला। वहाँ बस यात्रियों के खाना खाने के लिए रुकी थी तो मैंने साक्षी से भी कहा- चल कर खाना खालो !

और उन दोनों माँ बेटी से भी कहा तो आंटी ने तो मना कर दिया और मन मार कर उनकी बेटी को भी मना करना पड़ा लेकिन साक्षी मेरे जोर देने पर मेरे साथ खाना खाने के लिए आ गई। वो खाना खाने आई तो हम दोनों अकेले ही हो गये थे हमने थोड़ा खाना आर्डर किया और बिल मैंने ही भरा। खाना खाते हुए मैं उससे मजाक करने लगा था जिसमें थोड़ा बहुत सेक्स का पुट भी था और उसे उस मजाक से कोई तकलीफ नहीं हुई तो मेरे हौंसले बढ़ गये और मैं उससे और सेक्सी मजाक करने लगा।

फिर खाना खा कर हम बस में आ गये और हम थोड़ी देर बात करते रहे, चूंकि अब तक रात हो चुकी थी तो पड़ोस में जो चारों लोग थे वो नीचे और ऊपर वाली बर्थ पर सो चुके थे।

साक्षी मुझसे बोली- संदीप तुम्हारे लैपटॉप में फिल्में हैं क्या ? अगर हैं तो चालू करो, देखते हैं।

मेरे पास फिल्में तो थी ही, लेकिन मैंने कहा- मेरे पास अंग्रेजी फिल्में हैं, हिंदी नहीं हैं !

वो बोली- कोई बात नहीं वही चालू करो ! मुझे भी इंग्लिश फिल्में देखना पसंद है।

मैंने कहा- ठीक है !

और मैंने हेडफोन लगा कर 'द ड्रीमर्स' फिल्म शुरू कर दी..

मैंने इस फिल्म को पहले भी देखा था और मैं जानता था कि इसमें बहुत ही उत्तेजक दृश्य हैं। दो सीट का बेड बना कर, पर्दा लगा कर मैंने साक्षी को मेरा बगल में पैर फैला कर बैठने के लिए कहा, ऊपर से कम्बल रख लिया और हेडफोन का एक स्पीकर साक्षी को दे दिया और दूसरा मेरे कान में लगा कर फिल्म देखने लगे।

करीब 45 मिनट तक हम फिल्म देखते रहे और एक दूसरे के हाथों में हाथ ले कर बैठे रहे, जगह कम थी तो यह समझिए कि एक दूसरे के ऊपर नहीं थे बस बाकी चिपके हुए ही थे..

मेरे बदन में तो आग लगना शुरू हो ही चुकी थी और साक्षी भी कोई शांति से बैठी नहीं थी और इस सब के बीच में एक दो बार कुछ ऐसे दृश्य आ चुके थे जिसमें लड़की-लड़का बिना कपड़ों के एक दूसरे के साथ सोये हुए हैं... उसके भी हाथ मेरे बदन पर चल ही रहे थे। इसी बीच फिल्म में एक सेक्सी सीन आने लगा जो कि निहायत ही सेक्सी था जिसमें फिल्म की नायिका पूरे कपड़े उतार कर डांस कर रही थी और उसके बाद कौमार्य भंग का दृश्य था जो कि पूरी तरह से दिख रहा था और गजब का सेक्सी था।

उस सीन के आने पर साक्षी पागल हो गई और मेरे लण्ड को पैट के ऊपर से ही मसलने

लगी। मैंने भी लैपटॉप उठा कर पैरों के तरफ कोने में कर दिया और कपड़ों के ऊपर से ही उसकी चूत पर हाथ चलाने लगा, उसे चूमने लगा और उसके बड़े बड़े चूचों को दबाने लगा।

हम दोनों थोड़ी देर तक ऐसे ही एक दूसरे के साथ मस्ती करते रहे फिर लैपटॉप पर पैर पड़ रहा था और वो तकलीफ भी दे रहा था तो मैंने लैपटॉप को बंद करके बैग में रखा और पूरी सीट को खाली कर लिया।

अब हमने एक दूसरे को फिर से चूमना शुरू किया और मैंने साक्षी को नीचे लेटा दिया। बस में कपड़े उतरना बहुत ही खतरे का काम था तो मैं उसके ऊपर कपड़े पहने पहने ही चढ़ गया और उसके होंठों को चूमने लगा जिसमें वो मेरा पूरा साथ दे रही थी अपने हाथों से मेरे सर को सँभालते हुए।

मैं दोनों हाथों से उसके बड़े बड़े दूधों को मसल रहा था और कपड़ों के ऊपर से ही मेरे लण्ड को उसकी चूत पर मसल रहा था। बीच बीच में मैं उसकी गर्दन पर भी चूम लेता था, इस हालात में भी उसने अपनी आवाजें बिल्कुल संयत कर रखी थी, वो तड़प तो रही थी पर उसके मुँह से एक भी आवाज नहीं निकलने पा रही थी।

हम दोनों ने यह काम 15-20 मिनट किया होगा कि वो झड़ने लगी और अचानक ही उसने मुझे अपनी बाहों में जकड़ लिया और पूरी तरह से झड़ गई।

मैं अभी भी उसको ऊपर चढ़ कर कपड़ों के ऊपर से ही रगड़ रहा था तो वो धीरे से बोली- बस, अब सहन नहीं होता।

मैंने कहा- ठीक है, कोई बात नहीं ! मैं उतरता हूँ !

तो बोली- तुम नीचे आ जाओ, मैं चूस कर निकाल दूँगी और तुम्हारी अंडरवियर भी गन्दी नहीं होगी।

मुझे इससे ज्यादा क्या चाहिए था, मैं नीचे लेट गया उसने मेरी पैंट खोल कर नीचे खसकाई, अंडरवियर नीचे किया और मेरा लण्ड मुँह में ले कर चूसने लगी, गजब का चूस रही थी यार !

उसके चूसने से मैं तड़पने लगा, बस आवाज ही दबा कर रखी हुई थी मैंने ! अगर आवाज निकालता तो बस में सबके जागने का डर था। उसने दो मिनट चूसा होगा कि मैं झड़ने लगा, मैंने उसको इशारों में कहा तो वो और तेज चूसने लगी और बस उसके तुरंत बाद ही मैं भी बुरी तरह से झड़ने लगा और वो मेरे वीर्य की एक एक बूँद पी गई, उसने तब तक मुँह नहीं हटाया जब तक मेरा पूरा लण्ड साफ़ नहीं हो गया।

उस समय झड़ते वक्त मैं मेरी चीख कैसे रोक पाया था, मैं ही जानता हूँ लेकिन यह तय है कि अगर मैंने आवाज ना रोकी होती तो पूरी बस जाग गई होती।

चूसने के बाद उसने उसके हैण्ड बैग से टिशु पेपर निकाला और मेरा लण्ड पोंछा फिर मेरे मुरझाये हुए लण्ड को मेरे कपड़ों में डाल के मेरी पैंट ऊपर खसका दी।

उसके बाद...

इसके बाद की कहानी अगली कड़ी में !

इन्तजार कीजिए और मुझे मेल भेज कर बताइए कि कैसी लगी मेरी कहानी आपको ?

मुझे आप फेसबुक पर भी इसी आईडी से ढूँढ सकते हैं।

2273

Other stories you may be interested in

चूत की ऐसी भयानक चुदाई सोची ना थी-1

दोस्तो, मैं फेहमिना इकबाल एक बार फिर आप सबके सामने अपनी नई हिन्दी सेक्स स्टोरी कहानी लेकर हाजिर हूँ। बहुत दिनों बाद वापस आई हूँ, इंतजार कराने के लिए माफी चाहती हूँ। दोस्तो, आप सबने मेल के जरिये अपना बहुत [...]

[Full Story >>>](#)

शादीशुदा शीला की जवान चूत

हाय फ्रेंड्स, मैं 2006 से भीलवाड़ा राजस्थान में जॉब कर रहा हूँ पर मूलतः मैं हरियाणा का हूँ। मेरा कद 6' है रंग एकदम साफ़ है.. बॉडी स्लिम फिट है और शक्ति से भी बुरा नहीं लगता हूँ। बात शुरू [...]

[Full Story >>>](#)

पतियों की अदला बदली-1

दोस्तो, आप मेरी हिन्दी सेक्स स्टोरीज का आनन्द ले रहे हैं, जान कर खुशी होती है। अब मेरी जो भी कहानियाँ आ रही हैं वो आप लोगों द्वारा मुझे भेजे गए आपके तजुर्बे पर आधारित हैं... यानी ये वास्तविक घटनाओं [...]

[Full Story >>>](#)

नौकरी की तलाश में जिगोलो बना और चूत मिली

नमस्कार, मेरा नाम अभिनव है, मेरी उम्र 26 साल की है, शरीर से फिट और गुडलुकिंग हूँ, मेरा कद 5'8" का है। मैं करनाल हरियाणा का रहने वाला हूँ। मैं अन्तर्वासना सेक्स स्टोरीज का कई सालों से पाठक हूँ। मैं [...]

[Full Story >>>](#)

बीवी को गैर मर्द से चुदते देखने की खाहिश-3

अब तक आपने पढ़ा.. मेरी बीवी गैर मर्द से खुल कर चुदाई का मजा लेने लगी थी। अब आगे.. नेहा कबीर के सीने पर सर रख कर सो रही थी, कबीर उसके बाल सहला रहा था। मैं नीचे उतर कर [...]

[Full Story >>>](#)



Other sites in IPE

Savita Bhabhi Movie



Savita Bhabhi Movie is India's first ever animated movie. It takes us on a journey thru time, a lot of super hot sex scenes and Savita Bhabhi's mission to bring down a corrupt minister planning to put internet censorship on the people.

Velamma



Vela as her loved ones like to call her is a loving and innocent South Indian Aunty. However like most of the woman in her family, she was blessed with an extremely sexy figure with boobs like they came from heaven! Visit the website and check the first 3 episodes for free.

Kambi Malayalam Kathakal



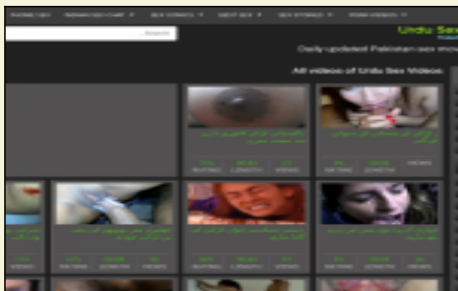
Large Collection Of Free Malayalam Sex Stories & Hot Sex Fantasies.

Urdu Sex Stories



Daily updated Pakistani Sex Stories & Hot Sex Fantasies.

Urdu Sex Videos



Daily updated Pakistani sex movies and sex videos.

Indian Porn Live



Go and have a live video chat with the hottest Indian girls.